अमरूद के पुराने व अनुत्पादक बागों का जीर्णोद्धार

- जीर्णोद्धार तकनीक उन बागों में उपयोगी है जिनमें उत्पादन न्यून हो
- वृक्षों की अत्याधिक बढ़वार के फलस्वरूप पूर्ण आच्छादन
- निचली शाखाओं पर सूर्य का प्रकाश प्रविष्ट न होने के कारण प्रकाश संशलेषण की क्रिया ठीक ढंग से नही होती
- पेड़ के निचले स्तर पर कल्ले विकसित नहीं होते

अमरूद का पुराना, घना व अनुत्पादक बाग

वृक्षों को सतह से 1.0 से 1.5 मीटर की ऊँचाई पर मई-जून अथवा दिसम्बर-फरवरी माह में काटें

- कीट एवं व्याधियों का अत्यधिक प्रकोप
- फलस्वरूप उत्पादन में ह्रास
- पेड़ों को जमीन से 1.0 से 1.5 मीटर की ऊँचाई पर चिन्हित कर के धारधार आरी की सहायता से काटें
- कटाई का अनुकूल समय : मई-जून या दिसम्बर-फरवरी
- काटते समय सावधानी रखें कि डाल न फट जाएं अत: डाल को पहले नीचे की तरफ से काटें

जीर्णोद्धार हेतु कटाई-छँटाई उपरान्त कृषकों द्वारा सावधानीपूर्वक की जाने वाली प्रबंधन प्रक्रियाएं

- कटे भाग पर कॉपर आक्सीक्लोराइड, या गोबर का लेप लगाएं
- कटाई के उपरान्त पौधों में थाले बनाकर उसमें 50 कि0ग्रा0 गोबर की सड़ी खाद डालें
- समय पर सिंचाई करें
- कटाई के 4-5 माह पश्चात नए कल्लों का प्रस्फुटन
- प्रत्येक शाखा पर 4-5 स्वस्थ कल्ले छोड़ कर कल्लों का विरलीकरण करें
- जब कल्लों की लम्बाई 40-50 से0मी0 हो जाए तब इनकी लम्बाई का 50 प्रतिशत भाग काटें
- काटे गए स्थान के नीचे नए कल्लों का सृजन
- नए कल्लों का सृजन होने से शरद ऋतु में भरपूर फसल

जीर्णोद्धार उपरान्त नयें कल्लों का पर्याप्त सृजन

जीर्णोद्धार के उपरान्त फलों से लदा पौधा

Printed at SHIVA OFFSET PRESS, Dehradun Ph. 0135-2715748

DEPARTMENT OF HORTICULTURE & FOOD PROCESSING, CIRCUIT HOUSE, Dehradun (Uttarakhand) INDIA
Horticulture Mission for North East & Himalayan States, Uttarakhand ❙ E-mail: missionhortiuk@gmail.com ❙ Ph: 0135-2754961
For further details contact: Dr. Surbhi Pandey, Coordinator (HMNH) ❙ E-mail: surbi_pandey@yahoo.com